दिल्ली में सड़क दुर्घटनायें

449. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या परिवहन तथा नौवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1966–67 में दिल्ली शहर में कितनी सड़क दुर्घटनायें हुई ; और

(ख) इन दुर्घटनाओं के परिणाम-स्वरूप कितने व्यक्ति मरे ?

परिवहन तथा नौवहन मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव) : (क) दिल्ली के संघ क्षेत्र में 1966 के कलेन्डर वर्ष में 8347 और 1967 के कलेन्डर वर्ष में 1363 (28–2–67 तक) ।

(ख) 1966 के कलेन्डर वर्ष में 345 और 1967 के कलेन्डर वर्ष में 61 (28–2–67 तक) ।

बाड़मेर और जैसलमेर (राजस्थान) में सीमा सड़कें

450. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या परिवहन और नौवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राजस्थान में बाड़मेर और जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कें बनाने की एक योजना तैयार की थी ; और

(ख) यदि हां, तो कितने धन की व्यवस्था की गई थी और अब तक कितना धन खर्च किया जा चुका है तथा कब तक सड़कों के पूरा हो जाने की आशा है ?

परिवहन तथा नौवहन मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव) : (क) और (ख). संभवतः इस प्रश्न का सम्बन्ध राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में सामरिक महत्व की सड़कों के निर्माण से है । इस निर्माण कार्य में प्रगति हो रही है । इन सड़कों के निर्माण के लिये 9·95 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत में से फरवरी 1967 के अन्त तक 1·80 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है । धन की उपलब्धता होने पर इन निर्माण कार्यों के 1968–69 तक पूरा होने की संभावना है ।

I.A.C. Bookings

451. **Shri Onkar Lal Berwa:** Will the Minister of Tourism and Civil Aviation be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain complaints have been received by the Indian Airlines Corporation authorities regarding malpractices in the booking of passengers;

(b) if so, how many passengers lodged such complaints during the year 1966-67; and

(c) the action taken by the authorities to redress the grievances of the complaining passengers?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh): (a) and (b). 9 complaints were received during 1966-67

(c) Each complaint was investigated and corrective action taken wherever necessary

कीटनाशी दवाइयों का प्रयोग

452. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फसलों के बचाव के लिये इस समय कौन कौन सी कीटनाशी दवाइयां प्रयोग में लाई जाती हैं ;

(ख) उनमें से देशीय कीटनाशी दवाइयों के नाम क्या हैं ; और

(ग) क्या इनकी तैयार की गई मात्रा मांग की पूर्ति के लिये पर्याप्त है ?